ब्रह्मा और विष्णु द्वारा भगवान् शिव की स्तुति
विध्येश्वर संहिता

नमो निष्कल रूपाय -आप निष्कल रूप हैं आपको नमस्कार है
नमो निष्कल तेजसे -आप निष्कल तेज से प्रकाशित होते हैं आप को नमस्कार है
नमः सकल नाथाय -आप सबके स्वामी हैं आपको नमस्कार है
नमस्ते सकलात्मने -आप सकल स्वरुप आप महेश्वर को नमस्कार है
नमः प्रणव वाच्यय -आप प्रणव के वाच्यार्थ हैं आप को नमस्कार है
नमः प्रणव लिङ्गने -आप प्रणव लिंग वाले हैं आप को नमस्कार है
नमः सृष्ट्यादिकर्त्रे च -सृष्टि पालन संहार तिरोभाव और अनुग्रह करने वाले आप को नमस्कार है
नमः पंचमुखाय ते -आपके पांच मुख हैं आप परमेष्वर को नमस्कार है
पांच ब्रह्म स्वरूपाय पंचकृत्यै ते नमः
-पंचब्रह्मस्वरूप पांच कृत्य वाले आपको नमस्कार है
आत्मने ब्रह्मणे तुभ्यमनन्तगुण शक्तये
-आप सबके आत्मा हैं ब्रह्म हैं आपके गन और शक्तियां अनंत हैं आपको नमस्कार है
सकलाकलरुपाय शम्भवे गुरवे नमः
-आपके सकल और निष्कल दो रूप हैं आप सद्गुरु एवं शम्भू हैं आपको नमस्कार है

भगवान् शिव की स्तुति - शिव नमस्कार मंत्र

नमो निष्कल रूपाय नमो निष्कल तेजसे
नमः सकल नाथाय नमस्ते सकलात्मने
नमः प्रणव वाच्यय नमः प्रणव लिङ्गने
नमः सृष्ट्यादिकर्त्रे च नमः पंचमुखाय ते पांच ब्रह्म स्वरूपाय पंचकृत्यै ते नमः
आत्मने ब्रह्मणे तुभ्यमनन्तगुण शक्तये सकलाकलरुपाय शम्भवे गुरवे नमः

Astrologer R K Taneja
@astrojankari